DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY, CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR.

Circular / Acad Sec./ PG /NEP PG-II Yr Curri./Affi. Col./ 2024.

It is hereby inform to all concerned that, on the recommendation of Dean of Faculty of Humanities; **the Academic Council at it's Meeting held on 08th April, 2024 has accepted the "*following Subject wise revised Curriculum at PG Level* as per National Education Policy-2020"** *for all concerned affiliated colleges* under the Faculty of Humanities.

Sr. No.	UG/PG Course Curriculum Name	Semester
01.	M. A. Second Year as per NEP [Marathi] for Colleges	IIIrd & IVth
02.	M. A. Second Year as per NEP [Hindi] for Colleges	IIIrd & IVth
03.	M. A. Second Year as per NEP [English] for Colleges	IIIrd & IVth
04.	M. A. Second Year as per NEP [Urdu] for Colleges	IIIrd & IVth
05.	M. A. Second Year as per NEP [Arabic] for Colleges	IIIrd & IVth
06.	M. A. Second Year as per NEP [History] for Colleges	IIIrd & IVth
07.	M. A. Second Year as per NEP [Political Science] for Colleges	IIIrd & IVth
08.	M. A. Second Year as per NEP [Public Administration] for Colleges	IIIrd & IVth
09.	M. A. Second Year as per NEP [Economics] for Colleges	IIIrd & IVth
10.	M. A. Second Year as per NEP [Geography] for Colleges	IIIrd & IVth
11.	M. A. Second Year as per NEP [Psychology] for Colleges	IIIrd & IVth

This is effective from the Academic Year 2024-25 and Onwards as per appended herewith.

All concerned are requested to note the contents of this circular and bring notice to the students, teachers and staff for their information and necessary action.

University campus,
Chhatrapati Sambhajinagar-431 004.
Ref. No. SU/PG-II Yr/ Affi.Colleges / NEP Curri/ 2024/26772-81

Date: 21.05.2024.

****

Deputy Registrar,
Academic.

:: 02 ::

Copy forwarded with compliments to:-

1] **The Principal, all concerned affiliated colleges,**
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Chhatrapati Sambhajinagar.

2] **The Director,** University Network & Information Centre, UNIC, with **a request to upload this Circular on University Website.**

Copy to :-

1] **The Director, Board of Examinations & Evaluation,**
2] **The Sec. Officer, [Concerned Unit] Exam. Branch,**
3] The Section Officer, [Eligibility Unit],
4] The Programmer [Computer Unit-1] Examinations,
5] The Programmer [Computer Unit-2] Examinations,
6] The In-charge, [E-Suvidha Kendra],
7] The Public Relation Officer,
8] The Record Keeper,
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Chhatrapati Sambhajinagar.

-=**=-

DrK*210524/-

DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY

CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR

Illustrative Credit Distribution Structure for Two Year /One Year

M.A. HINDI II SEM III&IV

Course Structure

Subject: HINDI

(Effective from 2024-25)

AS PER NEP 2020

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.

DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY

CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR

Illustrative Credit Distribution Structure for Two Year /One Year

M.A. II -- HINDI

Class: M. A. Second Year

Semester: Third Semester & Fourth Semester

Subject: ---------- HINDI ----------

Sr. No.	Specification /type of Papers	First Semester		Total Credits /Semester	Second Semester		Total Credits/ Semester	Total Credits/ Year
		Paper	Credits		Paper	Credits		
1	Major Mandatory	Mandatory-7	4	12	Mandatory -10	4	12	24
		Mandatory-8	4		Mandatory -11	4		
		Mandatory -9	4		Mandatory -12	4		
2	Major Activity	Activity-3	2	2	--	--	--	2
3	Major Elective	Elective-3	4	4	Elective-4	4	4	8
4	Research Methodology	--	--	--	--	--	--	--
5	On Job Training/ Field Project	--	--	--	--	--	--	--
6	Research Project	RP	4	4	RP	6	6	10
Cum. Cr./ Semester		--	22	22	--	22	22	44
Cum. Cr./Year		--	--	--	--	--	--	44
Exit option: Exit Option: PG Diploma (44 Credits) after Three Year UG Degree								

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.

DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY

CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR

M.A. Second Year: ------- HINDI -------

Third Semester:

Major Mandatory-7: ------- **हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से मध्यकाल तक)**

Major Mandatory-8:-------- **मध्ययुगीन काव्य**

Major Mandatory-9:--------**माध्यम लेखन**

Major Activity-3:------------- **फिल्म समीक्षा**

Major Elective-3: **1- प्रवासी साहित्य**

2- नाटक तथा एकांकी साहित्य

3- पत्रकारिता

Research Methodology: ----------------- **शोध प्रबंध**

1. On Job Training/Field Project: ---
2. Research Project: --

Forth Semester:

1. Major Mandatory-10: ------------ **हिंदी साहित्य का इतिहास आधुनिक काल**

   Major Mandatory-11:------------- **आधुनिक काव्य**

   Major Mandatory-12:------------- **प्रयोजनमूलक हिंदी**
2. Major Activity-2:-----------------
3. Major Elective-4: ---------------- **1- हिंदी विमर्श और कथा साहित्य**

   2- व्यंग्य साहित्य

   3- भाषिक संप्रेषण

2 Research Methodology: ---------------- ---------------------

3 On Job Training/Field Project: ---

4 Research Project: --

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,
औरंगाबाद.

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजी नगर

एम. ए. हिंदी व्दितीय वर्ष सत्र III

Major Mandatory -7

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से मध्यकाल तक)

उध्देश्य :-

1 हिंदी साहित्य के इतिहास से छात्रों को परिचित कराना.

2 छात्रों में ऐतिहासिक दृष्टि विकसित करना.

3 छात्रों को इतिहास के महत्व से अवगत कराना.

अध्ययन - पध्दति :-

1 व्याख्यान

2 दृक - श्राव्य साधनों का प्रयोग

3 गोष्ठी, चर्चा तथा स्वाध्याय

4 अध्ययनयात्रा

अ.क्र.	पाठयांश	तासिकाएँ
1	**हिंदी साहित्य का इतिहास परंपरा और पध्दति:** • हिंदी साहित्य इतिहास लेखन परंपरा • साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ • काल विभाजन • नामकरण • सीमांकण	15
2	**आदिकाल:** • आदिकाल की पृष्ठभूमि • आदिकाल की प्रवृतियाँ • सिध्द साहित्य • नाथ साहित्य • जैन साहित्य • रासो साहित्य	15

	• लौकीक साहित्य • आदिकाल के प्रमुख कवि	
3	**भक्तिकाल :** • भक्तिकाल की पृष्ठभूमि • भक्तिकाल की प्रवृतियाँ • भक्तिकाल उदय के कारण • सगुण एवं निर्गुण भक्तिकाव्य • संत एवं सूफी काव्य परंपरा • भक्तिकाल के प्रमुख कवि	15
4	**रीतिकाल:** • रीतिकाल की पृष्ठभूमि • रीतिकाल की प्रवृतियाँ • रीतिबध्द काव्य • रीतिसिध्द काव्य • रीतिमुक्त काव्य • रीतिकाल के प्रमुख कवि	15

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा काशी.
2. साहित्य का इतिहास दर्शन - आ. नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना.
3. हिंदी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नयी दिल्ली.
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चनसिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. माधव सोनटक्के, विकास प्रकाशन, कानपूर
7. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. माधव सूर्यनारायण रणसूभे, विकास प्रकाशन, कानपूर

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,
औरंगाबाद

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

एम. ए. हिंदी व्दितीय वर्ष सत्र III

Major Mandatory -8

मध्ययुगीन काव्य

उद्देश्य :

- मध्ययुगीन काव्य का परिचय कराना
- मध्ययुगीन काव्य की विभिन्न धाराओं का अध्ययन कराना
- मध्ययुगीन काव्य के शिल्प का बोध कराना

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान
2. दृक्श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. स्वाध्याय
4. अध्ययनयात्रा

अ.क्र.	पाठ्यांश	तासिकाएँ
1	कबीर ग्रंथावली : संपादक - श्यामसुंदर दास 50 सखियां तथा 10 पद पद क्रमांक 11,16, 24, 26, 27, 45, 49, 64, 70, 72 साखियाँ गुरुदेव कौ अंग 01 से 10 तक, सुमिरन कौ अंग 01 से 10 तक, विरह कौ अंग 01 से 10 तक, ग्यान विरह कौ अंग 01 से 05 तक, चेतावनी कौ अंग 01 से 05 तक, माया कौ अंग 01 से 05 तक, परचा कौ अंग 1 से 5 तक	15
2	पद्मावत : संपादक - आचार्य रामचंद्र शुक्ल नागमती विरह खंड एवं सिंहालदीप खंड	15
3	सूरदास : भ्रमरगीत सार संपादक - आचार्य रामचंद्र शुक्ल	15

	25 पद क्रमांक 01 से 10 तक, 21 से 30 तक, 51 से 55 तक	
4	रामचरितमानस : सुंदरकांड गीता प्रेस गोरखपुर बिहारी रत्नाकर : संपादक - जगन्नाथ दास रत्नाकर आरंभिक 25 दोहे	15

पाठ्य पुस्तकें :

1. कबीर ग्रंथावली - संपादक श्यामसुंदर दास
2. पद्मावत : - संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल
3. भ्रमरगीत सार - संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल
4. रामचरितमानस : सुंदरकांड गीता प्रेस गोरखपुर
5. बिहारी रत्नाकर संपादक जगन्नाथ दास रत्नाकर

संदर्भ ग्रंथ :

1 प्रमुख प्राचीन कवि - डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
2 कबीर की विचारधारा - डॉ गोविंद त्रिगुणायत
3 कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी
4 मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य - डॉ. शिवसहाय पाठक
5 तुलसीदास और उनका योग संदर्भ - डॉ. भागीरथ मिश्र
6 तुलसी साहित्य के नए संदर्भ - डॉ. एल. एन. दुबे
7 सूरदास - मैनेजर पांडे
8 सूरदास के काव्य का मूल्यांकन - डॉ. रामरतन भटनागर
9 बिहारी - डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

, प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

एम. ए. हिंदी व्दितीय वर्ष सत्र III

Major Mandatory -9 **माध्यम लेखन**

उद्देश्य :

1. संचार के माध्यम से भाषा संप्रेषण कौशल को समझ पायेंगे.
2. जनसंचार के विभिन्न माध्यमों के महत्व को स्पष्ट करना.
3. विज्ञापन एवं धारावाहिक लेखन की प्रक्रिया को आत्मसात करना.
4. माध्यम लेखन एवं सृजनात्मक लेखन के महत्व को स्पष्ट करना.
5. मीडिया लेखन के माध्यम से रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे.

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्या
2. दृक - श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. स्वाध्याय
4. अध्ययनयात्रा

अ.क्र.	पाठयांश	तासिकाएँ
1	**जनसंचार माध्यम- स्वरूप तथा प्रकार** • संचार - अर्थ, परिभाषा, प्रक्रिया और भेद • जनसंचार माध्यम - स्वरूप तथा प्रकार • जनसंचार माध्यम का महत्व • जनसंचार माध्यम के प्रकार • परंपरागत माध्यम, आधुनिक माध्यम • नव इलेक्ट्रॉनिक माध्यम • माध्यमों का सामाजिक दायित्व • माध्यमों की भाषा की विशेताएँ	15
2	**मुद्रित माध्यमों के लिए लेखन** • मुद्रित माध्यम - स्वरूप और प्रकार • समाचार, संपादकीय, विज्ञापन लेखन	15

3	**श्रव्य माध्यमों के लिए लेखन** वार्ता, उद्घोषणा, फीचर, विज्ञापन, समाचार तथा रेडिओ लेखन	15
4	**दृक - श्रव्य माध्यमों के लिए लेखन** • दृक - श्रव्य माध्यमों के प्रकार • दृक - श्रव्य माध्यमों की भाषा • समाचार, फीचर, डाकुमेंट्री (वृतचित्र), धारावाहिक तथा फिल्म के लिए पटकथा तथा संवाद लेखन	15

संदर्भ ग्रंथ :

1 मीडिया लेखन: सिध्दांत और व्यवहार, डॉ. चंद्रप्रकाश, संजय प्रकाशन, नयी दिल्ली

2 नये जनसंचार माध्यम और हिंदी,सं.सुधीश पचौरी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली.

3 रेडिओ नाटक की कला, डॉ. सिध्दानाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन नयी दिल्ली.

4 भारतीय सिने सिध्दांत, अनुप ओझा, राधाकृष्ण प्रकाशन नयी दिल्ली.

, प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,
औरंगाबाद.

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

एम. ए. हिंदी व्दितीय वर्ष सत्र III

Major Elective 3-1 प्रवासी साहित्य

उद्देश्य :

1 भारत के बाहर लिखे जा रहे हिंदी साहित्य और उसकी संरचना से अवगत कराना.

2 हिंदी साहित्य के वैश्विक परिदृश्य को समझने की दृष्टि प्रदान करना.

3 हिंदी भाषा को महाशक्ति के रूप में बढते कदम से परिचित कराना.

4 प्रवासी साहित्य की विविध साहित्यिक अभिव्यक्तियों की समझ विकसित करना.

अध्ययन - अध्यापन पध्दति :

1 व्याख्यान

5 गोष्ठी, चर्चा तथा स्वाध्याय

6 दृक – श्राव्य साधनों का प्रयोग

7 अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

अ.क्र.	पाठयांश	तासिकाएँ
1	• प्रवासी हिंदी साहित्य: स्वरूप और अवधारणा • प्रवासी हिंदी उपन्यास : संवेदना और शिल्प • प्रवासी हिंदी कहानियाँ : स्वरूपगत विवेचन • प्रवासी हिंदी कविताएँ : स्वरूवपगत विवेचन	20
2	**प्रवासी उपन्यास : हंसा दीप - कुबेर**	20
3	**प्रवासी प्रतिनिधि कहानियाँ -** 1 खिड़कियो से झाँकती आँखें - सुधा ओम ढींगरा 2 अखबारवाला - सुदर्शन प्रियदर्शिनी 3 तीसरी दुनिया का मसीहा - सुषम बेदी 4 फेयरवेल - रेखा राजवंशी 5 कोख का किराया - तेजेंद्र शर्मा 6 सांकल - ज़कीया ज़ुबैरी 7 मेड इन इंडिया - दिव्या माथुर	20

	8 सीमांत - रामदेव धुरंधर 9 लाश - सुमन घई 10 हाईवे ई 47 - अर्चना पेन्युली	

पाठ्यपुस्तके :

1 हंसा दीप - कुबेर, शिवना प्रकाशन, सीहोर, मध्यप्रदेश

2 प्रवासी प्रतिनिधि कहानियाँ - संपादक, डॉ. दीपक पाण्डेय, डॉ. नूतन पाण्डेय, राइजिंग स्टार्स प्रकाशन, मौजपूर दिल्ली.

संदर्भ ग्रंथ :

1 प्रवासी हिंदी साहित्य अवधारणा एवं चिंतन - सं. प्रो. प्रदीप श्रीधर

2 प्रवासी साहित्य : जोहान्सबर्ग से आगे - सं. डॉ. कमलकिशोर गोयंका

3 हिंदी का प्रवासी साहित्य : डॉ, कमलकिशोर गोयंका

4 कनाडा साहित्यकार हंसा दीप का उपन्यास साहित्य - सं. डॉ. दीपक पाण्डेय

5 प्रवासी हिंदी साहित्य बदलते तेवर : डॉ. अनुपमा तिवारी

6 प्रवासी भारतीयों में हिंदी की कहानी : सुरेंद्र गंभीर

7 विश्व हिंदी के भगीरथ : डॉ. भक्तराम शर्मा

8 ब्रिटेन में हिंदी : उषा राजे सक्सेना

9 प्रवासी भारतीयों की पीडा : अरविंद मोहन

10 प्रवासी भारतीयों की हिंदी सेवा : श्रीमती कैलाश कुमारी सहाय

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,
औरंगाबाद.

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

एम. ए. हिंदी व्दितीय वर्ष सत्र III

Major Elective 3-2

नाटक तथा एकांकी साहित्य

उध्देश्य :

1 नाटक तथा एकांकी साहित्य का विकासात्मक अध्ययन करना.

2 नाटक तथा एकांकी साहित्य: आस्वाद और आलोचना क्षमता का विकास करना.

3 नाटक तथा एकांकी साहित्य और युगबोध की परख करना,

अध्ययन - अध्यापन पध्दति :

1 व्याख्यान

2 दृक - श्राव्य साणनों का प्रयोग

3 गोष्ठी, चर्चा तथा स्वाध्याय

अ.क्र.	पाठयांश	तासिकाएँ
1	• नाटक साहित्य का विकास • एकांकी साहित्य का विकास • नाटक साहित्य का तात्विक विवेचन • एकांकी साहित्य का तात्विक विवेचन	15
2	नाटक - जादू का कालीन - मृदुला गर्ग,	15
3	नाटक - एक और द्रोणचार्य - शंकर शेष	15
4	एकांकी सप्तक - संपादक, डॉ. चंपा श्रीवास्तव	15

पाठयपुस्तके :

1 जादू का कालीन - मृदुला गर्ग, राजकाल प्रकाशन, नयी दिल्ली.

2 एक और द्रोणचार्य - शंकर शेष, किताब घर प्रकाशन, नयी दिल्ली.

3 एकांकी सप्तक - संपादक, डॉ. चंपा श्रीवास्तव, प्रो. राजेंद्र कुमार, लोकभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली.

संदर्भ ग्रंथ :

1 भारतीय नाटय परंपरा और रंगभूमि - डॉ. मदन मोहन भारव्दाज, नेशनल पब्लिसिंग हाउस नयी दिल्ली.

2 बीसवी शती का हिंदी नाटक और रंगमंच - डॉ, गिरीश रस्तोगी, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन नयी दिल्ली.

3 हिंदी नाटक आज तक - डॉ. वीणा गौतम, शब्दसेतु प्रकाशन, नयी दिल्ली.

4 नाटयशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक - हजारी प्रसाद व्दिवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली.

, प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.

डॉ. बाबासाहेब **आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर**

एम. ए. हिंदी व्दितीय वर्ष सत्र III

Major Elective 3-3 हिंदी पत्रकारिता

उद्देश्य :

1 पत्रकारिता की कला का अध्ययन करना.

2 पत्रकारिता सिध्दांत का अध्ययन करना.

3 पत्रकारिता के कौशल का विकास करना.

4 हिंदी पत्रकारिता के विकासक्रम का अध्ययन करना.

अध्ययन - पध्दति :

1 व्याख्यान

2 दृक - श्राव्य साधनों का प्रयोग

3 गोष्ठी, चर्चा तथा स्वाध्याय

4 अतिथि व्याख्यान

अ.क्र.	पाठयांश	तासिकाएँ
1	**पत्रकारिता स्वरूप, उध्देश्य एवं प्रकार** पत्रकारिता से तात्पर्य, परिभाषा, उध्देश्य पत्रकारिता के क्षेत्र एवं प्रकार भारत में पत्रकारिता का उदय	15
2	**हिंदी पत्रकारिता उद्भव और विकास** स्वतंत्रतापूर्व हिंदी पत्रकारिता स्वातंत्रयोत्तर हिंदी पत्रकारिता **प्रेस कानून और आचारसंहिता** प्रमुख प्रेस कानून पत्रकारिता की आचारसंहिता	15

3	समाचार पत्र - प्रबंधन संपादकीय - विभाग विज्ञापन - विभाग मुद्रण - विभाग वितरण - विभाग प्रशासन - विभाग वित्त व लेखा - विभाग	15
4	**पत्रकारिता के नये क्षितिज** रेडिओ पत्रकारिता दूरदर्शन पत्रकारिता इंटरनेट पत्रकारिता पत्रकारिता और अनुवाद पत्रकारिता में अनुवाद स्वरूप एवं क्षेत्र पत्रकारिता अनुवाद : महत्व, समस्याएँ एवं समाधान	15

संदर्भ ग्रंथ :

1 हिंदी पत्रकारिता का बृहत इतिहास - डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन नयी दिल्ली.

2 पत्रकारिता विविध विधाएँ - डॉ. राजकुमारी रानी, जयभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली.

3 हिंदी पत्रकारिता स्वरूप एवं संदर्भ - डॉ. विनोद गोदरे

4 समाचारपत्र का प्रबंधन - गुलाब कोठारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली.

5 पत्रकारिता के नये परिप्रेक्ष्य - राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली.

6 पत्रकारिता के सिध्दांत - डॉ. रमेश त्रिपाठी. अशोक प्रकाशन, नयी दिल्ली.

7 पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ - डॉ. भोलानाथ तिवारी, जितेंद्र गुप्त, शब्दकार प्रशन, नयी दिल्ली.

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

एम. ए. हिंदी व्दितीय वर्ष सत्र IV

Major Mandatory -10

आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

उद्देश्य :

1 हिंदी साहित्य के इतिहास से छात्रों को परिचित कराना.

2 छात्रों में ऐतिहासिक दृष्टि विकसित करना.

3 छात्रों को इतिहास के महत्व से अवगत कराना.

अध्ययन - पध्दति :-

1 व्याख्यान

2 दृक - श्राव्य साधनों का प्रयोग

3 गोष्ठी, चर्चा तथा स्वाध्याय

4 अध्ययनयात्रा

अ.क्र.	पाठयांश	तासिकाएँ
1	**आधुनिक काल :** • **आधुनिक काल की पृष्ठभूमि** • **आधुनिक काल की प्रवृतियाँ** • भारतेंदू युग की परिस्थितियाँ • भारतेंदू युग की काव्यगत प्रवृतियाँ • भारतेंदू युग के प्रमुख साहित्यकार	15
2	**छायावाद** • छायावाद की प्रवृतियाँ • छायावाद के प्रमुख कवि • हालावादी काव्यधारा की पृष्ठभूमि • हालावाद के प्रमुख कवि • प्रगतिवादी साहित्य की प्रवृतियाँ • प्रगतिवाद के प्रमुख कवि	15
3	• प्रयोगवाद तथा नई कविता की पृष्ठभूमि • प्रयोगवाद तथा नई कविता की प्रवृतियाँ	15

	• प्रयोगवाद तथा नई कविता के प्रमुख कवि • साठ्ठोत्तरी तथा समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृतियाँ • साठ्ठोत्तरी तथा समकालीन कविता के प्रमुख कवि	
4	**गद्य विधा का विकासात्मक परिचय** • कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, निबंध • कथेत्तर गद्य विधा का विकासात्मक परिचय • जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र, व्यंग्य.	15

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा काशी.
2. साहित्य का इतिहास दर्शन - आ. नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना.
3. हिंदी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नयी दिल्ली.
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चनसिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. माधव सोनटक्के, विकास प्रकाशन, कानपूर
7. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. माधव सूर्यनारायण रणसूभे, विकास प्रकाशन, कानपूर

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

एम. ए. हिंदी व्दितीय वर्ष सत्र IV

Major Mandatory -11

आधुनिक काव्य

उद्देश्य :

1. आधुनिक हिंदी साहित्य में कविता के महत्व को रेखांकित करना।
2. हिंदी कविता की विषय वस्तु एवं कवि के दृष्टिकोण का परिचय कराना।
3. कविता के विविध रूपों की समीक्षा करना।
4. लंबी कविता के स्वरूप को समझना।
5. विविध कवियों की कविताओं का मूल्यांकन कराना।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान
2. गोष्ठी, चर्चा तथा स्वाध्याय
3. दुक-श्रव्य साधनों का उपयोग
4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

अ.क्र.	पाठयांश	तासिकाएँ
1	**हरिवंश राय बच्चन** - अग्निपथ नीड़ का निर्माण फिर-फिर **नागार्जुन** - अकाल और उसके बाद तीनों बंदर बापू के **त्रिलोचन** - बिस्तरा है न चारपाई है चंपा काले काले अच्छर नहीं चीन्हती	15
2	**अदम गोंडवी** - मैं चमारों की गली तक ले चलूँगा, जो डलहौज़ी न कर पाया **केदारनाथ अग्रवाल** - यह धरती है उस किसान की, जो जीवन की धूल चाट कर बड़ा हुआ है	15

	अटल बिहारी वाजपेयी - आए जिस जिस की हिम्मत हो आओ फिर से दिया जलाएँ	
3	**धूमिल** - मोचीराम, नक्सलबाड़ी **राजेश जोशी** - मारे जाएंगे, शासक होने की इच्छा **भगवत रावत** - एक बार फिर आऊँगा, मनुष्य	15
4	**लम्बी कविताएँ** **आलोकधन्वा** - भागी हुई लड़कियाँ **अज्ञेय** - असाध्य वीणा **बसंत कुमार परिहार** - टुंडे आदमी का बयान	15

पाठ्य पुस्तक : आधुनिक हिन्दी कविता - संपादक, हिन्दी अध्ययन मंडल,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

संदर्भ ग्रंथ :

1. छायावादोत्तर हिंदी कविता के समीक्षा प्रतिमान - डॉ. हंसराज त्रिपाठी
2. कविता से साक्षात्कार - मलयज
3. कविता के नए प्रतिमान - नामवर सिंह
4. कविता के प्रश्न और प्रतिमान - पंकज पाराशर
5. कविता से लंबी कविता - विनोद कुमार शुक्ला
6. लंबी कविता अवधारणा स्वरूप एवं परंपरा - डॉ. अजीत कुमार राय
7. लंबी कविता के आर-पार - नरेंद्र मोहन
8. लंबी कविता का वितान - अरुणाभ सौरभ
9. हिंदी की लंबी कविताओं का आलोचना पक्ष - राजेंद्र प्रसाद सिंह

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय,
औरंगाबाद.

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

एम. ए. हिंदी व्दितीय वर्ष सत्र IV

Major Mandatory -12

प्रयोजनमूलक हिंदी

उद्देश्य :

- प्रयोजनमूलक भाषा का सैद्धांतिक अध्ययन
- प्रयोजनमूलक भाषा कौशल का विकास

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान
2. दृक्-श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. स्वाध्याय
4. अध्ययन यात्रा

अ.क्र.	पाठयांश	तासिकाएँ
1	**हिंदी के विभिन्न रूप** • सृजनात्मक भाषा • संचार भाषा • मातृभाषा • राष्ट्रभाषा • राजभाषा, • राजभाषा हिंदी संवैधानिक स्थिति	15
2	**प्रयोजनमूलक हिंदी स्वरूप और प्रयोग क्षेत्र** • प्रयोजनमूलक हिंदी तात्पर्य एवं परिभाषा • प्रयोजनमूलक हिंदी की स्वरूपगत विशेषताएं • प्रयोजनमूलक हिंदी प्रयोग क्षेत्र	15

3	**पारिभाषिक शब्दावली** • पारिभाषिक शब्दावली तात्पर्य एवं परिभाषा • पारिभाषिक शब्दावली स्वरूपगत विशेषताएं • प्रयोजनमूलक शब्दावली निर्धारण समस्या और समाधान • पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत • राष्ट्रीयतावादी • अंतरराष्ट्रीयतावादी • प्रयोगवादी या लोकवादी • समन्वयवादी	15
4	**अद्यतन इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यम और हिंदी** • कंप्यूटर और हिंदी • कंप्यूटर का परिचय, इतिहास, महत्व, उपयोगिता, प्रकार • हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेज • इंटरनेट की उपयोगिता • ईमेल, ब्लॉग, ट्यूटर	15

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध आयाम - महेंद्र सिंह राणा
2. प्रयोजनमूलक हिंदी - विनोद गोदरे
3. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. माधव सोनटक्के
4. प्रयोजनमूलक हिंदी के अधुनातन आयाम - डॉ अंबादास देशमुख
5. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी - कृष्ण कुमार गोस्वामी
6. हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा रूप - डॉ. माधव सोनटक्के
7. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ लक्ष्मीकान्त डॉ पांडे

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

एम. ए. हिंदी व्दितीय वर्ष सत्र III

Major Elective 4-1

हिंदी विमर्श और कथा साहित्य

उद्देश्य :

1 विमर्शी से छात्रों को परिचित करना.

2 विमर्शी के तात्विक विवेचन की जानकारी देना.

3 स्त्री विमर्श से छात्रों को परिचित कराना.

4 आदिवासी विमर्श से छात्रों को परिचित कराना.

5 दलित विमर्श से छात्रों को परिचित कराना.

अध्ययन - पध्दति :

1 व्याख्यान

2 दृक - श्राव्य साधनों का प्रयोग

3 गोष्ठी, चर्चा तथा स्वाध्याय

अ.क्र.	पाठयांश	तासिकाएँ
1	स्त्री विमर्श (आत्मकथा) - एक कहानी यह भी	30
2	आदिवासी विमर्श (उपन्यास) - ग्लोबल गाँव के देवता	15
3	दलित विमर्श (कहानियाँ) - नयी सदी की पहचान 1. घायल शहर की बस्ती - मोहनदास नैमिषराय 2. शव यात्रा - ओमप्रकाश वाल्मिकी 3. दाग दिया सच - रमणिका गुप्ता 4. बकरी के दो बच्चे - रतनकुमार सांभरिया 5. रास्ता खुल गया - कर्मशील भारती	15

पाठ्यपुस्तके :-

1 एक कहानी यह भी - मन्नू भंडारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली.

2 ग्लोबल गाँव के देवता - रणेंद्र, भारतीय ज्ञानपीठ, वाणी प्रकाशन नयी दिल्ली.

3 नयी सदी की पहचान - श्रेष्ठ दलित कहानियाँ - सं. मुद्राराक्षस, राजकमल प्रकाशन नयी दिल्ली.

संदर्भ ग्रंथ :

1 हिंदी साहित्य और अस्मितामूलक विमर्श - किरण तिवारी, आनंद प्रकाशन, नयी दिल्ली.

2 अस्मितामूलक विमर्श विविध संदर्भ - रामचंद्र रजक, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली.

3 आत्मकथा और स्त्री - रामशंकर कुशवाह, नई किताब प्रकाशन, नयी दिल्ली.

4 आदिवासी और हिंदी उपन्यास - गंगासहाय मीणा, नई किताब प्रकाशन, नयी दिल्ली.

5 दलित विमर्श के विविध आयाम - डॉ. विरेंद्रसिंह यादव, राधाकृष्ण पब्लिकेशन, नयी दिल्ली

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

एम. ए. हिंदी व्दितीय वर्ष सत्र IV

Major Elective 4-2

व्यंग्य साहित्य

उध्देश्य :

1 व्यंग्य विधा से परिचित कराना.

2 हास्य और व्यंग्य के बीच के अंतर को समझाना.

3 व्यंग्य के माध्यम से सामाजिक, राजनीतिक समस्याओं को समझाना.

अध्ययन - पध्दति :

1 व्याख्यान

2 दृक - श्राव्य साधनों का प्रयोग

3 गोष्ठी, चर्चा तथा स्वाध्याय

4 व्यंग्य रूपांतरण

अ.क्र.	पाठयांश	तासिकाएँ
1	• व्यंग्य विधा : सैध्दांतिक विवेचन, स्वरूप एवं विशेषताएँ • व्यंग्य विधा का विकासक्रम	15
2	**विषमकोण : ज्ञान चतुर्वेदी**	15
3	**मेरी श्रेष्ठ व्यंग्य रचनाएँ :** 1. वैष्णव की फिसलन 2. साहब की महत्वकांक्षा 3. आयी बरखा बहार 4. निदा रस 5. गेंहू का सूख 6. बेईमानी की परत 7. अकाल उत्सव 8. घायल बसंत 9. जमाखोर की क्रांती 10. दो नाकवाले लोग	15

पाठ्यपुस्तके :

1 विषमकोण :- जान चतुर्वेदी, राजपाल एण्ड सन्स, नयी दिल्ली.

2 मेरी श्रेष्ठ व्यंग्य रचनाएँ : हरिशंकर परसाई, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली.

संदर्भ ग्रंथ :

1 देश के इस दौर में - विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन नयी, दिल्ली.

2 साहित्यिक विधाएँ: पुनर्विचार - डॉ. हरिमोहन, वाणी प्रकाशन नयी, दिल्ली.

3 हिंदी गद्यलेखन में व्यंग्य और विचार - सुरेश कांत, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली.

4 हिंदी गद्य : इधर की उपलब्धियाँ - पुष्पपाल सिंह वाणी प्रकाशन नयी, दिल्ली

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर

एम. ए. हिंदी व्दितीय वर्ष सत्र IV

Major Elective 4-3

भाषिक संप्रेषण

उध्देश्य :

1 संप्रेषण को कला का महत्व प्रतिपादित करना.

2 संप्रेषण में भाषा की महत्व को विशुद्ध करना.

3 संप्रेषण के मौखिक और लिखित प्रकारों को समझना.

अध्ययन - पध्दति :

1 व्याख्यान

2 दृक - श्राव्य साधनों का प्रयोग

3 गोष्ठी, चर्चा तथा स्वाध्याय

4 व्यंग्य रूपांतरण

अ.क्र.	पाठयांश	तासिकाएँ
1	**हिंदी का भाषिक स्वरूप** • हिंदी भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप • हिंदी भाषा के विविध रूप • भाषा और भाषिक संरचना के विविध स्तर • भाषा के प्रकार • भाषा का सामाजिक संदर्भ • भाषा की विशेषताएं	15
2	**संप्रेषण का सैद्धांतिक स्वरूप** • संप्रेषण का अर्थ और परिभाषा • संप्रेषण का प्रयोजन • संप्रेषण की प्रक्रिया	15

	• संप्रेषण के प्रकार • संप्रेषण के बाधक तत्व • संप्रेषण की चुनौतियां	
3	**भाषा और मौखिक, लिखित संप्रेषण** • मौखिक, लिखित संप्रेषण का स्वरूप • मौखिक, लिखित संप्रेषण हेतु आवश्यक गुण • मौखिक, लिखित संप्रेषण के लाभ • मौखिक, लिखित संप्रेषण के दोष • मौखिक, लिखित संप्रेषण के विविध प्रकार	15

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. भाषिकी हिंदी भाषा तथा भाषा शिक्षण – डॉ. अंबादास देशमुख
3. व्यवसायिक संप्रेषण – डॉ. अनूपचंद्र भयानी
4. हिंदी भाषा – डॉ. हरदेव बाहरी
5. व्यवहारिक हिंदी पत्राचार - दंगल झाल्डे
6. संप्रेषण कला - अरुण चतुर्वेदी

, प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.